मार्च, 1991 तक देश में कपास के मूल्यों में भारी वृद्धि हो गई थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कपास के उपलब्ध न होने के कारण अनेक कपड़ा मिलों और हथकरघा उद्योग को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है ;

(ग) यदि हां, तो इसी अवधि के दौरान देश में कपड़ा मिलों और हथकरघा उद्योग को उचित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में कपास न मिलने के क्या कारण थे ;

(घ) क्या सरकार ने देश में इन उद्योगों को आसानी से कच्चा कपास उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम उठाये हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अशोक गहलोत) : (क) प्रतिकूल मौसम होने तथा देश के कपास उपजाने वाले कुछ क्षेत्रों में नाशी जीव (पेस्ट) के भारी आक्रमण के फलस्वरूप कपास के उत्पादन में अप्रत्याशित गिरावट आने के कारण सितम्बर 1990 से मार्च, 1991 तक की अवधि के दौरान कपास की कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति रही है ।

(ख) वर्ष 1990–91 के कपास मौसम के दौरान कपास की मांग और पूर्ति की स्थित में उतार-चढ़ाव आने के कारण वस्त्र मिलों और हथकरघा एककों के सामने पेश आ रहे किसी भी प्रकार के गम्भीर आर्थिक संकट के बारे में सरकार को कोई जानकारी नहीं है ।

(ग) कपास के उत्पादन में गिरावट आने के कारण कपास की आपूर्ति स्थिति में यद्यपि कुछ कठिनाई आई और जिसके फलस्वरूप कपास की कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति रही, फिर भी मौसम के दौरान मिलों को पूरी तरह से कपास उपलब्ध होती रही । इस संबंध में हथकरघा को भी किसी प्रकार की गम्भीर कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा ।

(घ) और (ङ) कपास के निर्यात के लिए कोटों को रिलीज करते समय सरकार ने घरेलू वस्त्र उद्योग की कच्चे माल की मांग को ध्यान में रख कर ही केवल निर्यात योग्य देशी कपास को ही रिलीज किया था । इसके अतिरिक्त भारतीय कपास निगम ने राष्ट्रीय वस्त्र निगम, राज्य वस्त्र निगमों, सरकारी कताई मिलों, निजी क्षेत्र की मिलों आदि जैसे प्रयोगकर्ताओं को कपास की लगभग 7.45 लाख गांठों की सप्लाई भी की । राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एन एच डी सी) की स्थापना मुख्यत: हथकरघा क्षेत्र को उचित कीमत पर यार्न की सप्लाई की व्यवस्था करने के उद्देश्य से की गई है ।

सोने और चांदी के मूल्यों में वृद्धि

*235. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में सोने और चांदी की कीमतों में हाल ही में वृद्धि होने के क्या कारण हैं ; और

(ख) इन बहुमूल्य धातुओं के मूल्यों में वृद्धि को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) सोने और चांदी के मूल्यों में वृद्धि, रुपए की विनिमय दर में समायोजन, इन धातुओं की सट्टेबाजी और विवाह के मौसम में मांग बढ़ जाने जैसे कारणों से हुई हैं।

(ख) चूंकि सोना और चांदी आवश्यक वस्तुएं नहीं हैं इस प्रकार सरकार इसका मूल्य विनियमित नहीं करती है ।